25/6/15 पत्रावली केम्प.....आलमगार.....को पेश हुई।
आगामी दिनांक......10-9-15...को पेश हो।
पूर्व का आदेश यथावत रहेगा।

10-9-15 उभयपक्ष उपस्थित पीठासीन अधिकारी राजकार्य से बाहर है/ अवकाश पर है/ पद रिक्त है।
अतः पत्रावली दिनांक..17-12-15...
को पेश हो। पूर्व का आदेश यथावत रहेगा।

रीडर
सहायक कलक्टर माण्डल

17-12-15 पत्रावली पेश हुई, वकील प्रार्थी उप० विपक्षीगण स० 1, 2, 4, 5, 7, 8, को सम्मन नोटिस बाद तामील प्राप्त, जिसे शा० पत्रा० किये। विपक्षीगण उप. नहीं। विपक्षीगणों को कितनी ही मर्तबा विधिवत आवाजें दिलाई गई, उपस्थित नहीं होने से एक तरफा कार्यवाही किये जाने के आदेश दिये जाते हैं। व वकील वादी विपक्षी स० 3 व 6 के तलबाना सम्मन पेश करे। पत्रावली दि० 17-3-16 को पेश हो।

19-5-16 पत्रावली पेश हुई, वकील वादी उप०। विपक्षी स० 3 व 6 के तलबाना सम्मन पेश करे। पत्रावली दिनांक 19-5-16 को पेश हो।

19-5-16 उभयपक्ष उपस्थित पीठासीन अधिकारी राजकार्य से बाहर है/ अवकाश पर है/ पद रिक्त है।
अतः पत्रावली दिनांक...17-11-16...
को पेश हो। पूर्व का आदेश यथावत रहेगा।

रीडर
सहायक कलक्टर माण्डल

17-11-16 पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित। वकील प्रार्थी विपक्षी क्र० 3 व 6 की तलबी हेतु प्रोसेस सम्मन पेश करे। पेश होने पर जारी हो। वास्ते विपक्षी क्र० 3 व 6 की तलबी हेतु पत्रावली दिनांक 25-5-17 को पेश हो आगामी दिनांक तक पत्रावली निगरानी कर्मचारी जाती है जारी हस्ताक्षर

11-5-17 पत्रावली केम्प आलमगार....को पेश हुई।
आगामी दिनांक... 26-10-17...को पेश हो।
पूर्व का आदेश यथावत रहेगा। B.O.

12-7-17 पत्रावली वकील प्रार्थी द्वारा प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किये जाने से पत्रावली रिकार्ड से तलब की गयी। पत्रावली पेश

उपखण्ड अधिकारी
माण्डल

| तारीख हुक्म | हुक्म या कार्यवाही मय इनिशयल्स जज | नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए |
|---|---|---|
| | पुकार हुई। प्रार्थी व प्रार्थी के वकील उपस्थित। वकील प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र। प्रस्तुत प्रार्थना पत्र को शामिल पत्रावली किया गया। प्रस्तुत प्रार्थना पत्र पर बहस सुनी वकील प्रार्थी बहक सुनी पर वकील प्रार्थी ने बहस करनी चाही। वकील प्रार्थी ने कथन किया कि इस प्रार्थी गण बहस के दौरान वकील प्रार्थी के कथन किया कि आपस व विपक्षीगण के मध्य लोक अदालत की भावना से आपस में राजीनामा हो गया है। इस कारण प्रार्थना पत्र पर कोई कार्यवाही नहीं चाहते हैं. इस कारण प्रार्थना पत्र इसी स्टेज पर विड्रा कर निर्णीत किया जावे।<br>मैंने पत्रावली का अवलोकन किया, तथा प्रार्थना पत्र की बहस पर मनन किया गया। न्याय हित में वकील प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर प्रार्थी एवं विपक्षी क्र0 6 के मध्य आपसी राजीनामा हो जाने के कारण प्रार्थिया का प्रार्थना पत्र विड्रा कर निर्णीत किये जाने का आदेश दिया जाता है। पत्रावली के कार्य शुमार की जाकर बाद तकमील दाखिल दफ्तर की जावे।<br><br>(हस्ताक्षर)<br>उपखण्ड अधिकारी<br>[illegible]डल | |